जैन धर्म, दर्शन, न्याय आदि में अन्तर

-प्रो. वीरसागर जैन

जैन ग्रन्थों का अध्ययन-अध्यापन करते समय अनेक भिन्न-भिन्न शब्दों का प्रयोग होता है | जैसे कि कभी 'जैन धर्म' कहा जाता है तो कभी 'जैन दर्शन', कभी 'जैन न्याय' कहा जाता है तो कभी 'जैन अध्यात्म', कभी 'जैन विद्या' कहा जाता है तो कभी 'जैन साहित्य' इत्यादि; किन्तु अनेक विद्यार्थी इनके अर्थभेद को नहीं समझ पाते हैं, जिससे उन्हें प्रसंगानुकूल भाव समझने में बड़ी कठिनाई होती है; अत: यहाँ संक्षेप में इनका अर्थभेद स्पष्ट करने का प्रयास किया जाता है | यथा-

1. **जैन विद्या-** इसे अंग्रेजी में jainology कहते हैं | यह एक अत्यंत व्यापक शब्द है | इसमें समस्त जैन विद्या का समावेश होता है |
2. **जैन धर्म-** इसे अंग्रेजी में jain religion कहते हैं | यह एक सम्प्रदाय या मत का वाचक भी है और मुख्यतः क्रिया या आचारप्रधान भी होता है | अत: इसमें जैन धर्म और उसके आचार-विचार का सामान्य अध्ययन होता है |
3. **जैन दर्शन**- इसे अंग्रेजी में jain philosophy कहते हैं | यह विचारप्रधान है | इसमें जैनों के दर्शनशास्त्र का सूक्ष्म अध्ययन होता है; जीव, जगत्, ईश्वर आदि की मीमांसा की जाती है |
4. **जैन न्याय-** इसे अंग्रेजी में jain logic कहते हैं | इसमें जैनों की न्यायविद्या का अध्ययन होता है, जिसमें प्रमाण, नय, निक्षेप आदि का विशेष वर्णन होता है | परीक्षामुख, न्यायदीपिका आदि सैकड़ों ग्रन्थ इस विद्या के उपलब्ध हैं |
5. **जैन अध्यात्म**- इसे अंग्रेजी में jain spirituality कहते हैं | इसमें जैनों की उत्कृष्ट एवं गूढ़-गम्भीर अध्यात्मविद्या का अध्ययन होता है | समयसार, नियमसार, समाधितन्त्र, इष्टोपदेश, परमात्मप्रकाश आदि इस विद्या के प्रसिद्ध ग्रन्थ हैं |
6. **जैन आचार-** इसे अंग्रेजी में jain ethics कहते हैं | इसमें जैन श्रावकों एवं साधुओं के आचार का सर्वांगीण अध्ययन होता है | रत्नकरंड श्रावकाचार, मूलाचार आदि अनेक ग्रन्थ इस विषय के मिलते हैं |
7. **जैन व्याकरण-** इसे अंग्रेजी में jain grammar कहते हैं | इसमें जैनों के व्याकरण-ग्रंथों का अध्ययन होता है | कातन्त्र, जैनेन्द्र आदि सैकड़ों ग्रन्थ इस विषय के मिलते हैं |
8. **जैन ज्योतिष-** इसे अंग्रेजी में jain astrology कहते हैं | इसमें जैनों के ज्योतिषशास्त्र का अध्ययन होता है | तत्त्वार्थसूत्र और उसकी टीकाओं के अतिरिक्त त्रिलोकसार आदि सैकड़ों ग्रन्थ इस विषय के मिलते हैं|
9. **जैन गणित-** इसे अंग्रेजी में jain mathematics कहते हैं | इसमें जैनों के गणितशास्त्र का अध्ययन होता है | गणितसारसंग्रह आदि सैकड़ों ग्रन्थ इस विषय के मिलते हैं |
10. **जैन भूगोल-** इसे अंग्रेजी में jain geography कहते हैं | इसमें जैनों के भूगोल शास्त्र का अध्ययन होता है | त्रिलोकसार, तिलोयपण्णत्ति आदि अनेक ग्रन्थ इस विषय के मिलते हैं |

11. **जैन साहित्य-** इसे अंग्रेजी में jain literature कहते हैं | इसमें जैनों के साहित्य या काव्य का अध्ययन होता है | साहित्य की विविध विधाओं पर जैनाचार्यों ने अद्भुत काव्यग्रन्थों का प्रणयन किया है |
12. **जैन पुराण-** इसे अंग्रेजी में Jain mythology कहते हैं | इसमें जैनों के पुराण-साहित्य का अध्ययन होता है | जैनाचार्यों ने महापुराण, पद्मपुराण, हरिवंशपुराण आदि सैंकडों पुराणग्रन्थों का प्रणयन किया है, जिनमें ज्ञान-विज्ञान का भण्डार भरा है |
13. **जैन अर्थशास्त्र-** इसे अंग्रेजी में jain economics कहते हैं | इसमें जैनों के अर्थशास्त्रीय विचारों का अध्ययन होता है | यह भी एक अद्भुत विषय है, जिस पर मेरा एक स्वतंत्र लेख 'जैन अर्थशास्त्र' पठनीय है |
14. **जैन समाजशास्त्र-** इसे अंग्रेजी में jain sociology कहते हैं | इसमें जैनों के समाजशास्त्रीय विचारों का अध्ययन होता है |
15. **जैन इतिहास-** इसे अंग्रेजी में jain history कहते हैं | इसमें जैन धर्म-दर्शन और उसके विविध विषयों के उद्भव और विकास का रोचक अध्ययन होता है |
16. **जैन कला-** इसे अंग्रेजी में jain art कहते हैं | इसमें जैनों की विविध कलाओं का रोचक अध्ययन होता है, जिसमें मूर्तिकला, चित्रकला, शिल्पकला, स्थापत्य कला आदि प्रमुख हैं | इस विषय पर मेरा एक स्वतंत्र लेख 'जैन कला' पठनीय है |

इसी प्रकार जैन विद्या के अन्य भी अनेकानेक आयाम हैं | हमें सभी को यथोचित रूप से समझने का प्रयास करना चाहिए | यहाँ विस्तारभय से अधिक नहीं लिखते हैं |